पंजाब केसरी
TUE,02 SEPTEMBER 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

बी.पी.एस. को मिला "भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान" पुरस्कार

पुरस्कार सम्मान के साथ महिला विश्वविद्यालय के प्राध्यापक। (अरोड़ा)

गोहाना, 1 सितंबर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय को भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली पुलिस/क्राइम ब्रांच द्वारा एन.डी.एम.सी. कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में "नशा मुक्ति और महिलाओं के विरुद्ध अपराध विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और महिला विश्वविद्यालय को "भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान" पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

महिला विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. की कोऑर्डिनेटर डॉ बबीता ने बताया कि महिला विश्वविद्यालय के द्वारा निरंतर शिक्षा व समाज उद्धार के कार्यों के लिए मिला यह सम्मान समस्त महिला विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का सूचक है। उन्होंने बताया कि समारोह में महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

उनके साथ स्वयं डॉ. बबीता और प्रो. सुषमा जोशी को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय की 5 शिक्षिकाओं-प्रो. श्वेता सिंह, डॉ. मोनिका, डॉ. इशानी, डॉ. अलका भारती और डॉ. कृतिका को राष्ट्रीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने महिला विश्वविद्यालय को मिले सम्मान के लिए समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक प्रतिबद्धता के क्षेत्र में बढ़ती राष्ट्रीय पहचान को सशक्त बनाती है। वी.सी. ने कहा कि यह प्रोत्साहन महिला विश्वविद्यालय के लिए प्रेरणा का काम करेगा।

हवन में आहुति डालते हुए स्टाफ सदस्य व छात्राएं।

नई ऊर्जा, नया संकल्प और नई आशाओं के साथ करें कार्य : प्रो. सुषमा जोशी

गोहाना, 1 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों एवं समस्त इंस्टिट्यूट परिवार की ओर से नव आगंतुकों छात्राओं के स्वागत के लिए इंडक्शन (छात्रा-अभिप्रेरण) प्रोग्राम के तहत महाविद्यालय की प्रचार्या प्रो. सुषमा जोशी के नेतृत्व में हवन का आयोजन किया और एक सप्ताह तक इंडक्शन प्रोग्राम जारी रखने का निर्णय लिया गया। यज्ञ में समस्त स्टाफ एवम छात्राओं ने आहुति डालकर नए शैक्षणिक सत्र को सफलता के लिए परमात्मा से प्रार्थनाएं की। इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग की प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा जोशी ने सभी स्टाफ व छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नई ऊर्जा, नया संकल्प और नई आशाओं के साथ कार्य करना है। इस अवसर पर प्राचार्य समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं नॉन टीचिंग के सदस्यों ने छात्राओं के समक्ष अपना-अपना परिचय दिया और नई छात्राओं को महाविद्यालय की विविध गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली से परिचित भी कराया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक व गैर शिक्षण स्टाफ मौजूद रहे।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते प्रो. सुरेंद्र मोर।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में 'प्रायोगिक पुरातत्व' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

गोहाना, 1 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के तत्वावधान में आयोजित प्रायोगिक पुरातत्व: मिट्टी के बर्तन एवं पाषाण उपकरण निर्माण तथा राखीगढ़ी में अन्वेषण विषय पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हो गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में कहा कि तीन दिवसीय यह कार्यशाला विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और अनुभवपरक सिद्ध होगी। कार्यशाला में आयोजित प्रायोगिक गतिविधियों ने प्रतिभागियों को प्राचीन जीवन शैली और तकनीकों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान किया है। कुलपति ने कहा कि यह कार्यशाला शैक्षणिक दृष्टि से एवं शोधार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर, इतिहास एवं पुरातत्व के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक भूमिका निभाएगी। मुख्य अतिथि के रूप में एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस एंड रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. आशु ने छात्राओं एवं शोधार्थियों को संबोधित किया। समापन सत्र की अध्यक्ष सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सुरेन्द्र मोर, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने प्रतिभागियों में ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण की प्रेरणा जागृत की। कार्यशाला की संयोजक सौम्या मलिक रही ।

राष्ट्रीय मंच पर मिले सम्मान के साथ महिला विश्वविद्यालय की शिक्षक।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह में बीपीएसएमवी को मिला सम्मान

गोहाना, 1 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय को 30 अगस्त को भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली पुलिस/क्राइम ब्रांच द्वारा एन डी एम सी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में नशा मुक्ति और महिलाओं के विरुद्ध अपराध विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां को भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान पुरस्कार भी प्रदान किया गया।जानकारी देते हुए महिला विश्वविद्यालय की एन एस एस कोऑर्डिनेटर डॉ. बबीता ने बताया कि यह सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा,पूर्व न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति में मिला है। उन्होंने बताया कि समारोह में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश को विशेष रूप से, इसके साथ ही स्वयं डॉ. बबीता और प्रो. सुषमा जोशी को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय की पांच शिक्षिकाओं प्रो. श्वेता सिंह, डॉ. मोनिका, डॉ. इशानी, डॉ. अलका भारती और डॉ. कृतिका को राष्ट्रीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में "प्रायोगिक पुरातत्व" विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना,(अनिल जिंदल), 01 सितम्बर। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के तत्वावधान में आयोजित "प्रायोगिक पुरातत्वः मिट्टी के बर्तन एवं पाषाण उपकरण निर्माण तथा राखीगढ़ी में अन्वेषण" विषय पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हो गया। कार्यशाला के आयोजन पर आयोजकों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संदेश में कहा कि तीन दिवसीय यह कार्यशाला विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और अनुभवपरक सिद्ध होगी । कार्यशाला में आयोजित प्रायोगिक गतिविधियों ने प्रतिभागियों को प्राचीन जीवन शैली और तकनीकों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान किया है। कुलपति ने कहा कि यह कार्यशाला शैक्षणिक दृष्टि से एवं शोधार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर, इतिहास एवं पुरातत्व के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक भूमिका निभाएगी। कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस एंड रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. आशु ने छात्राओं एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रायोगिक पुरातत्व अतीत से संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है और यह हमें समझने में मदद करता है कि प्राचीन काल की तकनीकें व जीवनशैली कितनी समृद्ध और उन्नत थीं। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सुरेन्द्र मोर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों और शोधार्थियों को विषय की गहराई तक ले जाते हैं और शोध कार्य को और अधिक प्रभावी बनाते हैं। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने कहा कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को मिट्टी के बर्तनों और पाषाण उपकरणों की पारंपरिक विधियों को समझ कर एहसास हुआ कि प्राचीन सभ्यताएँ तकनीकी दृष्टि से अत्यंत उन्नत थीं। राखीगढ़ी के उदाहरणों ने भारतीय सभ्यता की प्राचीनता और समृद्धि को रेखांकित किया तथा प्रतिभागियों में ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण की प्रेरणा जागृत की। कार्यशाला की संयोजक सुश्री सौम्या मलिक ने तीन दिवसीय आयोजन का सारांश प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतिभागियों को पारंपरिक तकनीकों एवं आधुनिक शोध विधियों का संयुक्त अनुभव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

नई दिल्ली में हुए राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह में बीपीएसएमवी को मिला सम्मान

पल पल न्यूज: गोहाना, 1 सितंबर (अनिल जिंदल)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां को 30 अगस्त को भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली पुलिस/क्राइम ब्रांच द्वारा एन डी एम सी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में नशा मुक्ति और महिलाओं के विरुद्ध अपराध विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में महिला विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां को भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान पुरस्कार भी प्रदान किया गया। जानकारी देते हुए महिला विश्वविद्यालय की एन एस एस कोऑर्डिनेटर डॉ बबीता ने बताया कि महिला विश्वविद्यालय के द्वारा निरंतर शिक्षा व समाज उद्धार के कार्यों के लिए मिला यह सम्मान समस्त महिला विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का सूचक है। उन्होंने बताया कि यह सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति सुश्री ज्ञान सुधा मिश्रा,पूर्व न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय की गरिमामयी उपस्थिति में मिला है।

नई ऊर्जा, नया संकल्प और नई आशाओं के साथ करें कार्य: प्रो सुषमा जोशी

पल पल न्यूज: गोहाना, 1 सितंबर (अनिल जिंदल)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों एवं समस्त इंस्टिट्यूट परिवार की ओर से नव आगंतुकों छात्राओं के स्वागत के लिए इंडक्शन (छात्रा-अभिप्रेरण) प्रोग्राम के तहत हवन का आयोजन किया गया और एक सप्ताह तक इंडक्शन प्रोग्राम जारी रखने का निर्णय लिया गया। महाविद्यालय की प्रचार्या प्रो सुषमा जोशी के नेतृत्व में आयोजित यज्ञ में समस्त स्टाफ एवम छात्राओं ने आहुति डालकर नए शैक्षणिक सत्र को सफलता के लिए परमात्मा से प्रार्थनाएं की। इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग की प्राचार्य प्रोफेसर सुषमा जोशी ने सभी स्टाफ व छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि नई ऊर्जा, नया संकल्प और नई आशाओं के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है, और यह महाविद्यालय छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास एवं सामाजिक कल्याण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। भक्त फूल सिंह जी के स्त्री-शिक्षा एवं स्त्री-सशक्तिकरण को ले कर देखे गए सभी स्वप्नों को साकार करने के लिए हम सब टीम वर्क के रूप में काम करेंगे और संस्थान के गौरव को बढ़ाने का प्रयत्न करते रहेंगे। इस अवसर पर प्राचार्य समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं नॉन टीचिंग के सदस्यों ने छात्राओं के समक्ष अपना-अपना परिचय दिया और नई छात्राओं को महाविद्यालय की विविध गतिविधियों एवं कार्यप्रणाली से परिचित भी कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक व गैर शिक्षण स्टाफ मौजूद रहे।

मिला "भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान" पुरस्कार

गोहाना मुद्रिका, 1 सितंबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय को भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली पुलिस/क्राइम ब्रांच द्वारा एन.डी.एम.सी. कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महिला विश्वविद्यालय को "भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान" पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

महिला विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. की कोऑर्डिनेटर डॉ बबीता ने बताया कि समारोह में महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

उनके साथ स्वयं डॉ. बबीता और प्रो. सुषमा जोशी, विश्वविद्यालय की 5 शिक्षिकाओं-प्रो. श्वेता सिंह, डॉ. मोनिका, डॉ. इशानी, डॉ. अलका भारती और डॉ. कृतिका को राष्ट्रीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नवागंतुक छात्राओं की अभिप्रेरणा के लिए हुआ हवन

गोहाना मुद्रिका, 1 सितंबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ हायर लर्निंग में सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों एवं समस्त इंस्टिट्यूट परिवार की ओर से नव आगंतुकों छात्राओं के स्वागत के में छात्रा अभिप्रेरणा प्रोग्राम के तहत हवन का आयोजन किया गया और एक सप्ताह तक इंडक्शन प्रोग्राम जारी रखने का निर्णय लिया गया।

कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुषमा जोशी के नेतृत्व में आयोजित यज्ञ में समस्त स्टाफ एवं छात्राओं ने आहुति डालकर नए शैक्षणिक सत्र को सफलता के लिए परमात्मा से प्रार्थनाएं की। डॉ. सुषमा जोशी ने कहा कि नई ऊर्जा, नया संकल्प और नई आशाओं के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि इस कॉलेज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है, और यह कॉलेज छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास एवं सामाजिक कल्याण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। भगत फूल सिंह के स्त्री-शिक्षा एवं स्त्री-सशक्तिकरण को ले कर देखे गए सभी स्वप्नों को साकार करने के लिए हम सब टीम वर्क के रूप में काम करेंगे और संस्थान के गौरव को बढ़ाने का प्रयत्न करते रहेंगे।

प्रतिभागियों को दी प्राचीन जीवन शैली की जानकारी

गोहाना| बीपीएस महिला विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। प्रायोगिक पुरातत्व : मिट्टी के बर्तन एवं पाषाण उपकरण निर्माण तथा राखीगढ़ी में अंवेषण विषय पर आयोजित कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों को गतिविधियों के माध्यम से प्राचीन जीवन शैली और तकनीकों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान कराया गया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और अनुभवपरक सिद्ध होगी। यह शैक्षणिक दृष्टि से एवं शोधार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर इतिहास एवं पुरातत्व के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक भूमिका निभाएगी। वहीं एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस एंड रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. आशु ने कहा कि प्रायोगिक पुरातत्व अतीत से संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है और हमें यह समझने में मदद करता है कि प्राचीन काल की तकनीकें व जीवनशैली कितनी समृद्ध और उन्नत थीं। इसके बाद सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सुरेंद्र मोर ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस मौके पर इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक व सौम्या मलिक भी मौजूद रहीं।

नए संकल्प, नई आशाओं व ऊर्जा के साथ करें कार्य

गोहाना। बीपीएस महिला विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में इंडक्शन (छात्रा-अभिप्रेरण) प्रोग्राम के तहत हवन कराया कराया गया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी ने शिक्षकों व छात्राओं के साथ हवन में आहुति डालकर नए शैक्षणिक सत्र की सफलता व सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही इंडक्शन कार्यक्रम एक सप्ताह तक जारी रखने का निर्णय लिया। प्रो. सुषमा जोशी ने कहा कि स्टाफ नई ऊर्जा, आशाओं व नए संकल्प के साथ कार्य करें। इस संस्थान का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है और यह छात्राओं के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास एवं सामाजिक कल्याण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। भगत फूल सिंह के स्त्री-शिक्षा एवं स्त्री-सशक्तिकरण को लेकर देखे गए सभी स्वप्नों को साकार करने के लिए हम सब टीम वर्क के रूप में काम करेंगे।

बीपीएस महिला विवि को मिला सर्वश्रेष्ठ संस्थान का पुरस्कार

गोहाना | भागीदारी जन सहयोग समिति एवं दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा नई दिल्ली के एनडी एमसी कन्वेंशन सेंटर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस समारोह पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति और महिलाओं के विरुद्ध अपराध विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में बीपीएस महिला विवि की टीम प्रथम रही। इस पर विवि को भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान पुरस्कार भी प्रदान किया गया। महिला विवि की एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ. बबीता के अनुसार यह सम्मान सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश ज्ञान सुधा मिश्रा की उपस्थिति में दिया गया। इस सम्मान को विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने प्राप्त किया। इसके साथ ही डॉ. बबीता और प्रो. सुषमा जोशी को सम्मानित किया गया। वहीं प्रो. श्वेता सिंह, डॉ. मोनिका, डॉ. इशानी, डॉ. अलका भारती और डॉ. कृतिका को राष्ट्रीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिया गया। इस पर कुलपति प्रो. सुदेश ने समस्त विवि परिवार को बधाई दी।

'छात्राएं नई ऊर्जा व संकल्प के साथ कार्य करें '

विश्वविद्यालय में छात्राएं और प्राध्यापक हवन में आहुति डालते हुए • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ हायर लर्निंग में सोमवार को नव आगंतुक छात्राओं के छात्रा-अभिप्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान की प्राचार्य प्रो. सुषमा जोशी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं ने हवन में आहुति डाली। प्राचार्य ने कहा कि छात्राएं नई ऊर्जा, नया संकल्प और नई आशाओं के साथ आगे बढ़ें। विश्वविद्यालय के इस महाविद्यालय का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है जो छात्राओं के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास एवं सामाजिक कल्याण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। भगत फूल सिंह के स्त्री शिक्षा एवं सशक्तीकरण को लेकर देखे गए सपने को साकार करने के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे।

नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में विवि की टीम प्रथम

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) को नई दिल्ली में शिक्षक दिवस के राष्ट्रीय मंच पर भारत का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ संस्थान पुरस्कार से सम्मानित किया है। जन सहयोग समिति एवं दिल्ली पुलिस/क्राइम ब्रांच द्वारा एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में यह समारोह आयोजित हुआ जिसमें नशा मुक्ति और महिलाओं के विरुद्ध अपराध विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में महिला विवि की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विवि एनएसएस को-ऑर्डिनेटर डॉ. बबीता ने बताया कि महिला विवि द्वारा निरंतर शिक्षा व समाज उद्धार के कार्यों के लिए मिला यह सम्मान समस्त महिला विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का सूचक है। विवि को ये सम्मान सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ज्ञान सुधा मिश्रा की उपस्थिति में मिला। समारोह में विवि की कुलपति प्रो. सुदेश को विशेष रूप से सम्मानित हुई। समारोह में डॉ. बबीता, प्रो. सुषमा जोशी भी सम्मानित हुईं।

राष्ट्रीय मंच पर मिले सम्मान के साथ महिला विवि की शिक्षक।

महिला विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के तत्वावधान में आयोजित प्रायोगिक पुरातत्वः मिट्टी के बर्तन एवं पाषाण उपकरण निर्माण तथा राखीगढ़ी में अन्वेषण विषय पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आज समापन हो गया। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने आयोजकों को बधाई देते कहा कि यह तीन दिवसीय कार्यशाला विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और अनुभवपरक सिद्ध होगी। कार्यशाला में प्रायोगिक गतिविधियों ने प्रतिभागियों को प्राचीन जीवन शैली और तकनीकों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान किया है। यह कार्यशाला शैक्षणिक दृष्टि से एवं शोधार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर इतिहास एवं पुरातत्व के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक भूमिका निभाएगी। समापन के मुख्य अतिथि एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस एंड रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. आशु ने कहा कि प्रायोगिक पुरातत्व अतीत से संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है और यह हमें समझने में मदद करता है कि प्राचीन काल की तकनीकें व जीवनशैली कितनी समृद्ध और उन्नत थीं।

RAKHIGARHI ARTEFACTS UNDER SPOTLIGHT

Sonepat: The Department of History and Archaeology at Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, inaugurated a three-day national workshop titled "Archaeological Findings from Rakhigarhi: Pottery and Stone Tools – Their Making and Exploration." The workshop is being chaired by Dr Archana Malik, Head of Department. In her message at the inaugural session, Vice-Chancellor Prof Sudesh noted that such workshops help connect students and researchers to the roots of ancient Indian civilisation. Delivering the keynote address, Prof RC Thakran from the University of Delhi stated that the scientific study of pottery and stone tools discovered at Rakhigarhi reveals the Indus Valley Civilization's knowledge of advanced techniques. These archaeological remains provide valuable insights into the lifestyle, arts, crafts, and cultural practices of ancient society.